



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 22]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 14, 1994/आषाढ़ 23, 1916

No. 22]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 14, 1994/ASADHA 23, 1916

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

बम्बई, 14 जुलाई, 1994

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निर्गमन
बैंककार) विनियम, 1994

सं. एल.ई./7/94 :- बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और
विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की
धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय
सरकार के पूर्वानुमोदन से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम
बनाता है, अर्थात् :-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :- (1) इन विनियमों
का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994 होगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को
प्रवृत्त होंगे।

1667 GI/94

2. परिभाषाएं :- इन विनियमों में, जब तक सन्दर्भ से
अन्यथा अपेक्षित न हो :-

- (क) "जाँच अधिकारी" में बोर्ड का कोई अधिकारी
या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे प्रतिभूति
बाजार से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में
कार्रवाई करने का अनुभव है और जो बोर्ड द्वारा
अध्याय 5 के अधीन प्राधिकृत किया गया है।
- (ख) "प्ररूप" से अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्ररूप अभि-
प्रेत है।
- (ग) "निरीक्षण प्राधिकारी" से अध्याय 4 के अधीन
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए भारतीय
रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त एक या अधिक व्यक्ति
अभिप्रेत है।
- (घ) "रिजर्व बैंक" में भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम,
1934 की धारा 3 के अन्तर्गत स्थापित भारतीय
रिजर्व बैंक अभिप्रेत है।
- (ङ) "नियमों" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम
बोर्ड (निर्गमन बैंककार) नियम, 1994 अभिप्रेत
है।

(च) उन शब्दों और पदों के जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं परन्तु अधिनियम और नियमों में परिभाषित हैं, वे अर्थ होंगे जो उनके यथास्थिति, अधिनियम या नियमों में हैं।

अध्याय-2

निर्गमन बैंककार का रजिस्ट्रीकरण

3. प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए आवेदन :- (1) बैंककार के रूप में प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए अनुसूचित बैंक द्वारा बोर्ड को प्ररूप "क" में आवेदन किया जायेगा।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी इन विनियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व किया गया कोई आवेदन जिसमें ऐसी विनिष्टियाँ हैं जो प्ररूप "क" में यथा-वर्णित विनिष्टियों के निकट हैं, उप-विनियम (1) के अनुसरण में किया गया आवेदन माना जायेगा और उस पर तदनुसार कार्रवाई की जायेगी।

4. आवेदन अपेक्षाओं के अनुरूप होगा :- विनियम 3 के उप-विनियम (2) के अधीन रहते हुए कोई आवेदन जो सभी प्रकार में पूर्ण नहीं है और प्ररूप में विनिष्टित अनुदेशों के अनुरूप नहीं है नामंजूर कर दिया जायेगा :

परन्तु यह कि ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पूर्व आवेदक को विनिर्दिष्ट समय के भीतर ऐसी आपत्तियाँ दूर करने का अवसर दिया जायेगा जो बोर्ड द्वारा अवदर्शित की जाएं।

5. जानकारी, स्पष्टीकरण और वैयक्तिक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करना : (1) बोर्ड, आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए आवेदक उन मामलों के सम्बन्ध में और जानकारी या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा जो किसी निर्गमन बैंककार के क्रियाकलाप से सुसंगत हैं।

(2) आवेदक अधिकारी, यदि ऐसी अपेक्षा की जाये, हफ्ता सम्बन्ध में आवेदक द्वारा विधिवत प्राधिकृत अधिकारी के माध्यम से, वैयक्तिक प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष उपस्थित हो सकेगा।

6. आवेदन पर विचार :- बोर्ड प्रमाण-पत्र देने पर विचार करने के लिए सभी बातों को, जो किसी निर्गमन बैंककार के क्रियाकलापों से सुसंगत हैं और विशेष रूप से निम्नलिखित को ध्यान में रखेगा कि क्या आवेदक निम्नलिखित अपेक्षाएँ पूरी करना है, अर्थात्, :-

(क) क्या आवेदक के पास अपने क्रियाकलापों के प्रमाणी-निर्बहन के लिए आवश्यक अवसरचना, संसार और आंकड़ा संसाधन सुविधाएँ और जनशक्ति हैं ;

(ख) आवेदक या उसका कोई निदेशक प्रतिभूति बाजार से जुड़े किसी मुकदमे में शामिल नहीं है और जिसका आवेदक के व्यापार पर विपरीत प्रभाव

हो सकता है, या किसी आर्थिक अपराध में सिद्धोप नहीं ठहराया गया है ;

(ग) आवेदक एक अनुसूचित बैंक है ;

(घ) आवेदक को प्रमाण-पत्र प्रदान करना निवेशकों के हित में है।

7. रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया :- (1) बोर्ड, अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, प्ररूप ख में प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा।

(2) प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर आवेदक अनुसूची-II के अनुसार फीस अदा करेगा।

8. प्रमाण-पत्र का नवीकरण :- (1) प्रमाण-पत्र की अवधि की समाप्ति से तीन मास पूर्व, निर्गमन बैंककार यदि वह ऐसा चाहता है तो, प्रमाण-पत्र के नवीकरण के लिए प्ररूप क में आवेदन कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन प्रमाण-पत्र के नवीकरण के आवेदन पर उसी रीति से कार्रवाई की जायेगी जैसे कि वह प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए विनियम 3 के उप-विनियम (1) के अधीन किया गया कोई आवेदन हो।

(3) बोर्ड अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक विनियम 6 में प्रमाण-पत्र के नवीकरण के लिए निर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करता है, प्ररूप ख में प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा।

(4) प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर आवेदक अनुसूची-II के अनुसार फीस अदा करेगा।

9. प्रक्रिया, जहाँ रजिस्ट्रीकरण नहीं दिया जाता :- (1) जहाँ विनियम 3 के अधीन प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए या विनियम 8 के अधीन नवीकरण के लिए कोई आवेदन विनियम 6 में निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है, वहाँ बोर्ड मुद्दे जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन को नामंजूर कर सकेगा।

(2) पंजीकरण करने या उसका नवीकरण करने से इन्कार, ऐसे इन्कार से तीस दिन के भीतर बोर्ड द्वारा आवेदक को सूचित किया जायेगा जिसमें वे आधार कथित होंगे जिन पर आवेदन नामंजूर किया गया है।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन बोर्ड के विनिश्चय से अथित कोई आवेदक ऐसी सूचना की प्राप्ति की तिथि से तीस दिन के अवधि के भीतर बोर्ड को उसके विनिश्चय पर पुनर्विचार करने के लिए आवेदन कर सकेगा।

(4) उप-विनियम 3 के अधीन किए गए आवेदन की प्राप्ति पर बोर्ड अपने विनिश्चय पर पुनर्विचार करेगा और उस पर अपना निष्कर्ष आवेदक को लिखित रूप में यथाशीघ्र संमूचित करेगा ।

10. प्रमाण-पत्र देने से इन्कार का प्रभाव :— कोई अनुसूचित बैंक जिसका प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए आवेदन बोर्ड द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया है विनियम 9 के उप-विनियम (2) के अधीन सूचना की प्राप्ति की तिथि से ही बैंककार के रूप में कोई भी गतिविधि करना बंद कर देगा ।

11. फीस का संदाय और फीस का संदाय करने में असफलता के परिणाम :— (1) प्रमाण-पत्र दिए जाने के लिए पात्र प्रत्येक आवेदक अनुसूची-II में विनिर्दिष्ट रीति से और अवधि के भीतर फीस का संदाय करेगा ।

(2) जहां कोई आवेदक, अनुसूची-II के साथ पठित उप-विनियम (1) में यथा उल्लिखित फीस का संदाय करने में असफल रहता है, वहां बोर्ड प्रमाण-पत्र को निलंबित कर सकेगा, जिस पर आवेदक उस अवधि के लिए, निर्गमन बैंककार के रूप में कोई भी कार्य करना बन्द कर देगा, जब तक कि निलम्बन जारी रहता है ।

अध्याय-3

सामान्य बाध्यताएं और उत्तरदायित्व

12. लेखा, बहिरों, अभिलेखों और दस्तावेजों का अनुरक्षण :—(1) प्रत्येक निर्गमन बैंककार निम्नलिखित के बारे में अभिलेखों का अनुरक्षण करेगा :—

- (क) प्राप्त आवेदनों की संख्या, निवेशकों के नाम, तिथियां जब आवेदन प्राप्त हुए और इस प्रकार निवेशकों से प्राप्त राशि ;
- (ख) समय जिसके अन्तर्गत निवेशकों से प्राप्त आवेदन यथास्थिति, निगमित निकाय या निर्गमन रजिस्ट्रार को अर्पित कर दिए गए थे ;
- (ग) निवेशकों को अश की गई धन-वापसियों की तिथियों और धनराशि ;
- (घ) निवेशकों को अश किए गए लाभांश/व्याज अधिपत्र की राशि, तिथियां और नाम ।

(2) प्रत्येक बैंककार, बोर्ड को वह स्थान सूचित करेगा जहां उप-विनियम (1) में वर्णित अभिलेख और दस्तावेज अनुरक्षित किए जाते हैं ।

(3) निर्गमन बैंककार उप-विनियम 1 में विनिर्दिष्ट अभिलेखों और दस्तावेजों का तीन वर्ष की न्यूनतम अवधि तक परिरक्षण करेगा ।

13. बोर्ड को जानकारी प्रस्तुत करेगा :— प्रत्येक निर्गमन बैंककार, बोर्ड द्वारा अवेक्षा किए जाने पर निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—

- (क) निर्गमनों की संख्या, जिनके लिए वह बैंककार के रूप में अर्वाचित था ;

(ख) आवेदनों की संख्या और निर्गमन बैंककार को प्राप्त आवेदन धनराशि का विवरण ;

(ग) तिथियां, जिनको निवेशकों से प्राप्त आवेदन, निगमित निकाय या निर्गमन रजिस्ट्रार को अर्पित किए गए ;

(घ) निवेशकों को की गई धन-वापसियों की तिथियां और धनराशि ;

(ङ) निवेशकों को किए गए भुगतान या लाभांश या व्याज अधिपत्र ।

14. निगमित निकायों से करार/समझौता :—(1) प्रत्येक निर्गमन बैंककार उस निगमित निकाय के साथ एक समझौता करेगा जिसके लिए वह एक निर्गमन बैंककार के रूप में कार्य कर रहा है ।

(2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित समझौते में निम्नलिखित धाराएं समाविष्ट होनी चाहिए, अर्थात् :—

- (क) केन्द्रों की संख्या जहां पर किसी निगमित निकाय के निर्गमन हेतु आवेदन और आवेदन धनराशि निवेशकों से प्राप्त की जायेगी ;
- (ख) समयावधि जिसमें एक निगमित निकाय के निर्गमन में निवेश आवेदन और आवेदन धनराशि से संबंधित विवरण यथास्थिति निर्गमन रजिस्ट्रार या निगमित निकाय को अर्पित किए जायेंगे ;
- (ग) कि निर्गमन बैंककारों को प्राधिकृत नियंत्रक शाखा द्वारा निर्गमन रजिस्ट्रार को एक दैनिक विवरण भेजा जायेगा जिनमें निगमित निकाय में निवेश करने वाले निवेशकों से उस तिथि को प्राप्त आवेदनों की संख्या तथा प्राप्त आवेदन धन को एकत्र उपदर्शित होगा ।

15. रिजर्व बैंक द्वारा की गई किसी अनुशासनिक कार्रवाई की बोर्ड की सूचना :—यदि रिजर्व बैंक द्वारा केवल निर्गमन भुगतान कार्य के सम्बन्ध में एक बैंककार के विरुद्ध कोई अनुशासनिक कार्रवाई की गई है तो निर्गमन बैंककार तत्काल इसकी सूचना बोर्ड को देगा ।

यह भी कि यदि ऐसी कार्रवाई के परिणाम स्वरूप निर्गमन बैंककार को अपनी गतिविधियां जारी रखने से रोक दिया गया है तो प्रमाण-पत्र यथास्थिति निलंबित या रद्द किया गया समझा जायेगा ।

16. आचार संहिता :—प्रत्येक निर्गमन बैंककार अनुसूची-III में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का पालन करेगा ।

अध्याय-4

निरीक्षण के लिए प्रक्रिया

17. निर्गमन बैंककार का निरीक्षण :— बोर्ड, भारतीय बैंक से अनुरोध कर सकेगा कि वह विनियम 18 में विनिर्दिष्ट

किसी भी प्रयोजन के लिए निर्गमन बैंककार की लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करें।

18. निरीक्षण का प्रयोजन :— विनियम 17 में विनिर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित हो सकेंगे, अर्थात् :—

- (क) यह सुनिश्चित करना कि लेखा बहियाँ अपेक्षित रीति से बनाई रखी जा रही हैं ;
- (ख) कि अधिनियम, नियमों विनियमों के उपबन्धों का पालन किया जा रहा है ;
- (ग) निर्गमन बैंककार के क्रियाकलाप से संबंधित किसी विषय पर विनिधान कर्ताओं, निगमित निकाय या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का अन्वेषण करना और ;
- (घ) बोर्ड द्वारा अपेक्षित मामलों का अन्वेषण करना ।

19. निरीक्षण के लिए प्रक्रिया :—बोर्ड से अनुरोध प्राप्त होते ही, भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड द्वारा अपेक्षित प्रयोजनों के लिए निर्गमन बैंककार का निरीक्षण यथाशीघ्र तथा उस रीति से आरम्भ करेगा, जिसे वह ठीक समझे ।

20. निरीक्षण पर निर्गमन बैंककार की बाधाएं :—(1) निर्गमन बैंककार के, जिसका निरीक्षण किया जा रहा है, प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, अधिकारी और कर्मचारी का कर्तव्य होगा कि वह अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण में ऐसी बहियाँ और अन्य दस्तावेज निरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष पेश करे और उसे एक बैंककार के रूप में अपने क्रियाकलापों से संबंधित सभी विवरण और जानकारी ऐसे समय के भीतर के, जिसकी भारतीय रिजर्व बैंक अपेक्षा करे।

(2) निर्गमन बैंककार निरीक्षण प्राधिकारी को निर्गमन बैंककार या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के अधिभोग में परिसर में युक्तियुक्त पहुँच की अनुज्ञा देगा और किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कंप्यूटर आंकड़ों की, जो निर्गमन बैंककार या उनकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में हो, जांच करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी देगा और उन दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ भी देगा जो भारतीय रिजर्व बैंक की राय में निरीक्षण के प्रयोजनों के लिए सुसंगत हैं।

(3) निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण के अनुक्रम में निर्गमन बैंककार के किसी मुख्य अधिकारी, सचिव, निदेशक, भागीदार, स्वत्वधारी और कर्मचारी की परीक्षा करने या कथन अभिलिखित करने का हक्कार होगा।

(4) निर्गमन बैंककार के प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, अधिकारी या कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वो निरीक्षण प्राधिकारी को निरीक्षण के संबंध में सभी सहायता दे, जिसके दिए जाने की निर्गमन बैंककार से युक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है।

21. बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना: भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड को निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा किए गए संश्लेषण के समर्थन

में संबंधित दस्तावेज सहित निरीक्षण रिपोर्ट यथासंभव शीघ्र प्रस्तुत करेगा।

22. निर्गमन बैंककार को निष्कर्षों आदि की संसूचना :—

(1) बोर्ड निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् निरीक्षण प्राधिकारी के निष्कर्षों पर बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई करने से पूर्व निर्गमन बैंककार को सुने जाने का अवसर देने के लिए निष्कर्षों की संसूचना देगा।

(2) निर्गमन बैंककार से स्पष्टीकरण की, यदि कोई हो, प्राप्ति पर बोर्ड निर्गमन बैंककार से ऐसा उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा, जो बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हितों में और अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबन्धों के सम्यक पालन के लिए उचित समझे।

अध्याय-5

व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

23. व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए दायित्व :—

(1) कोई निर्गमन बैंककार जो—

(क) किन्हीं शर्तों का पालन करने में असफल रहता है, जिनके अधीन रहते हुए प्रमाण-पत्र दिया गया है;

(ख) अधिनियम, नियमों या विनियमों के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करता है; वह उप विनियम

(2) में विनिर्दिष्ट शास्तियों में से किसी का दायी होगा।

(2) उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट शास्तियाँ या तो :—

(क) रजिस्ट्रीकरण का निलंबन; या

(ख) रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण होगी।

24. रजिस्ट्रीकरण का निलंबन—(1) निर्गमन बैंककार के रजिस्ट्रीकरण के निलंबन की शास्ति वहाँ अधिरोपित की जा सकेगी जहाँ :—

(1) निर्गमन बैंककार अधिनियम, नियमों या विनियमों के उपबन्धों का उल्लंघन करता है;

(2) निर्गमन बैंककार—

(क) निर्गमन बैंककार के रूप में अपने कारबार से संबंधित जानकारी, जिसकी बोर्ड अपेक्षा करे, देने में असफल रहता है;

(ख) गलत या मिथ्या जानकारी देता है;

(ग) बोर्ड द्वारा विनियम 13 के अंतर्गत यथा अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत नहीं करता है;

- (3) निर्गमन बैंककार विनिधानकर्ताओं की शिकायतें दूर करने में या इस संबंध में बोर्ड को संतोषजनक उत्तर देने में असफल रहता है।
- (4) निर्गमन बैंककार अवचार या अनुचित या अव्यवहारिक या भ्रष्टाचार का दोषी है जो अनुसूची-III में विनिर्दिष्ट अवचार संहिता के अनुसार नहीं है।
- (5) निर्गमन बैंककार विनिधित फीस का संदाय करने में असफल रहता है।
- (6) निर्गमन बैंककार विनियमों में विनिर्दिष्ट अपनी बाध्यताओं का पालन करने में असमर्थ रहता है।

25. रजिस्ट्रीकरण रद्द करना—निर्गमन बैंककार के रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण की शास्ति तब अधिरोपित की जा सकेगी जब

- (1) निर्गमन बैंककार की वित्तीय स्थिति इस सीमा तक बिगड़ जाए कि बोर्ड की राय में उसका निर्गमन बैंककार का कार्य करते रहता विनिधानकर्ताओं के हित में नहीं होगा।
- (2) निर्गमन बैंककार कपट का दोषी है या दांडिक अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है।
- (3) विनियम 24 में उल्लिखित व्यक्तिगत दोहराए जाने की स्थिति में परन्तु यह तब जबकि बोर्ड रद्दकरण के कारण लिखित रूप में प्रस्तुत करता है।

26. निलंबन और रद्दकरण के आदेश की रीति—यथास्थिति, निलंबन या रद्दकरण की शास्ति का कोई आदेश विनियम 27 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार जांच करने के पश्चात् ही किया जाएगा, अन्यथा नहीं।

27. निलंबन या रद्दकरण से पूर्व जांच करने की रीति—(1) विनियम 27 के अधीन जांच करने के प्रयोजन के लिए बोर्ड जांच अधिकारी की नियुक्ति कर सकेगा।

- (2) जांच अधिकारी निर्गमन बैंककार को निर्गमन बैंककार के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय या उसके कारबार के प्रधान स्थल पर सूचना जारी करेगा।
- (3) निर्गमन बैंककार ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर जांच अधिकारी को अपने द्वारा प्राप्त दस्तावेजों या अन्य साक्ष्य की प्रतियों सहित उत्तर भेजेगा।
- (4) जांच अधिकारी निर्गमन बैंककार को विनियम (3) के अधीन दिए गए उसके उत्तर के समर्थन

में कथन करने के लिए समर्थ करने के लिए सुनवाई या युक्ति युक्त अवसर देगा।

- (5) निर्गमन बैंककार जांच अधिकारी के समक्ष निर्गमन बैंककार द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति की मार्फत उपस्थित हो सकेगा :

परन्तु यह कि जांच में निर्गमन बैंककार का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी वकील या अधिवक्ता को अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

परन्तु यह भी कि यदि जहाँ उप-विनियम (6) के अधीन उपस्थिति अधिकारी के रूप में बोर्ड द्वारा कोई वकील या अधिवक्ता नियुक्त किया गया है वहाँ किसी वकील या अधिवक्ता के माध्यम से अपना मतज्ञा उपस्थित करना निर्गमन बैंककार के लिए विधिपूर्ण होगा।

- (6) यदि यह आवश्यक समझा जाता है तो जांच अधिकारी उसका मामला उपस्थित करने के लिए उपस्थिति अधिकारी नियुक्त करने की बोर्ड से अपेक्षा कर सकता है।
- (7) जांच अधिकारी सभी सुसंगत तथ्यों और निर्गमन बैंककार द्वारा किए गए सभी कथनों पर विचार करने के पश्चात् बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और प्रस्तावित शास्ति के औचित्य संबंधी आधारों के साथ अधिनिर्णीत की जाने वाली शास्ति की सिफारिश करेगा।

28. कारण बताओ सूचना और आदेश :—(1) जांच अधिकारी से रिपोर्ट की प्राप्ति पर बोर्ड उस पर विचार करेगा और कारण बताओ सूचना जारी करेगा कि ऐसी शास्ति जो जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तावित है क्यों न अधिरोपित की जाए।

- (2) निर्गमन बैंककार कारण बताओ सूचना की प्राप्ति की तारीख से ह्वाकोस दिन के भीतर बोर्ड को उत्तर भेजेगा।
- (3) बोर्ड, कारण बताओ सूचना के उत्तर पर, यदि प्राप्त हुआ हो, विचार करने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र किन्तु उत्तर की, यदि कोई हो, प्राप्ति से तीस दिन के पश्चात् ऐसे आदेश पारित करेगा जो वह ठीक समझे।
- (4) उप-विनियम (3) के अधीन पारित आदेश स्वतः पूर्ण होगा और उसमें कथित निर्देशों के लिए कारण, जिसके अंतर्गत उस आदेश द्वारा अधिरोपित शास्ति का औचित्य है, देगा।
- (5) बोर्ड आदेश की एक प्रति निर्गमन बैंककार को उप-विनियम (3) के अधीन भेजेगा।

29. निर्गमन बैंककार के रजिस्ट्रीकरण के निलंबन और रद्दकरण का प्रभाव :—(1) निलंबन की तारीख से ही निर्गमन बैंककार निलंबन की अवधि के दौरान निर्गमन बैंककार के रूप में कार्य करना बंद कर देगा।

(2) रद्दकरण की तारीख से ही निर्गमन बैंककार तुरंत प्रभावी रूप से निर्गमन बैंककार के रूप में कार्य करना बंद कर देगा।

30. निलंबन के आदेश का प्रकाशन:—विनियम 28 के उप विनियम (3) के अधीन पारित प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण का आदेश बोर्ड द्वारा कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाएगा।

31. केन्द्रीय सरकार को शरीर्णें—बोर्ड के आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति केन्द्रीय सरकार को शरील कर सकेगा।

एस.एस. नाडकर्णी, अध्यक्ष

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अनुसूची I—प्ररूप

प्ररूप क

(विनियम 3)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(निर्गमन बैंककार) विनियम, 1994

निर्गमन बैंककार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र दिए जाने/प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन

नाम.....

संपर्क करने के लिए व्यक्ति का नाम :

पद नाम :

टेलीफोन सं. :

1. आवेदकों को उचित समर्थक दस्तावेजों सहित पूरी तरह से भरा हुआ आवेदन पत्र भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को प्रस्तुत करना चाहिए।
2. यह आवश्यक है कि यह आवेदन पत्र विनियमों और विनियमों तथा निर्गमन बैंककार की आचार संहिता के साथ साथ पढ़ा जाना चाहिए।
3. रजिस्ट्रीकरण के आवेदनों पर सभी बिबार किया जाएगा, जब उनमें सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए हों।
4. उत्तर टंकित/मुद्रित किए जाने चाहिए।
5. जिस जानकारी के लिए अधिकाधिक धोरे देना आवश्यक है वह युक्त पत्रों पर दी जा सकेगी जो आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए जायेंगे।
6. सभी हस्ताक्षर मूल रूप में होने चाहिए।

भाग—1 माधुरण जानकारी

1. आवेदक का ब्यौरा

2. नाम :

1. 2 बैंक के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का नाम :

पिन कोड टेलीफोन सं.
 टेलिक्स सं. फैक्स सं.

पत्र व्यवहार के लिए पता :

पिन कोड टेलीफोन सं.
 टेलिक्स सं. फैक्स सं.

1. 3 किती अन्य मध्यवर्ती क्रियाकलाप के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को आवेदन :

2. संगठन संरचना :

2. 1 निर्गमन की तारीख और स्थान :

दिन	माह	वर्ष	स्थान
-----	-----	------	-------

2. 2 संगठन चार्ट : साधारण संगठन और विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप (अर्थात् रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया है) कृत्यक उत्तरदायित्व का भी कथन करें।

2. 3 सभी निदेशकों और मुख्य प्रबन्ध कार्मिक की विशिष्टियाँ :—

(केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को छोड़कर, नाम, अर्हता, अनुभव, स्वामित्व ब्यौरे, (नियुक्ति की तारीख) अन्य निदेशक पद, (नाम और नियुक्ति की तारीख) पहले धारित पद।

2. 4 कर्मचारियों की संख्या :

2. 5 मुख्य शेयर धारकों की सूची (जो 5 प्रतिशत या अधिक मतदान शेयर धारण करते हैं, नाम, शेयर धारण पद्धति अर्थात् शेयरों की संख्या और कुल पूंजी में उसका प्रतिशत।

3. 0 श्रवसंरचना संबंधी सुविधाओं के ब्यौरे (विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप के लिए उपयोग में आने वाली)

3. 1 डाटा प्रकरण सामर्थ्य :

(क) घरेलू
 (ख) अन्य

3. 2 कम्प्यूटर सुविधा

(क) यंत्र सामग्री रूप
 (ख) प्रक्रिया सामग्री परिवेश

3. 3 नियंत्रक शाखा/प्रधान कार्यालय और विभिन्न शाखाओं में उपलब्ध संचार और जनशक्ति सुविधाएं :

4 0 वित्तीय जानकारी

4. 1 पूंजी संरचना

चालू वर्ष के पूर्ववर्ती
 वर्ष का पूं. क. वर्ष

(लाख रु. में)
 चालू वर्ष

(क) समादत पूंजी
 (ख) खुली भारक्षतियां
 (पुनर्मूल्यांकन भारक्षतियों को छोड़कर)
 (ग) योग : (क) जमा (ख)
 (घ) जमा राशियां

(क) कार्यकारी निधियाँ

4.2	शुद्ध लाभ :	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
4.3	आय (निर्गमन बैंककार के विनिर्दिष्ट क्रियाकलापों से)			
5.0	अन्य जानकारी (निर्गमन बैंककार के विनिर्दिष्ट क्रियाकलापों के लिए)			
5.1	सभी तय हुए और संबित विवादों के व्यौरे :			
5	विवाद की प्रकृति	पार्टी का नाम	संबित/तय	
5.2	पिछले तीन वर्षों में किसी आर्थिक अपराध में अभ्यारोपण या ग्रहस्त होना (निदेशकों के लिए)			
5.3	कोई अन्य जानकारी जो कम्पनी द्वारा दी गई सेवाओं की प्रकृति से सुसंगत समझी जाती है।			
5.4	लेखा परीक्षकों के नाम और पते			

भाग-2 निर्गमन बैंककार के बारे में विनिर्दिष्ट जानकारी

6.0 कारबार—जानकारी

- 6.1 किए जा रहे/किए जाने के लिए प्रस्तावित क्रियाकलाप का प्रकार दर्शित करें (आवेदन राशि और/या आबंटन राशि के लिए संग्रहक/बैंककार लाभान/अप्राज वारंट के लिए प्रतिदाय बैंककार, संदाय बैंककार।)
- 6.2 आवेदनों के निपटान, उनके प्रचलन की कार्य पद्धति और शाखाओं के बीच समन्वयन, धन-प्रेषण, निधियों के लिए संग्रहण और लेखा देने की कार्यप्रणाली प्रतिदाय बैंककारों के कार्य का वर्णन।
- 6.3 दी जाने वाली सेवाओं के लिए ग्राहक के साथ की गयी आदेश सविदा की एक प्रति संलग्न करें।
- 6.4 वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित केन्द्रों के अलावा जिन केन्द्रों में बैंक की शाखाएँ हैं, उनकी सूची संलग्न करें।
- 7.0 अनुभव :
- 7.1 निर्गमन बैंककार के रूप में अनुभव (अधिसूचित करें) (पिछले वर्ष के दौरान उपलब्ध करायी गयी सुविधाएँ)
- 7.2 ग्राहकों की सूची (केवल निर्गमन ग्राहक)
(विनिर्दिष्ट क्रियाकलापों के लिए)

नाम

दी गई सेवाएँ

घोषणा

यह घोषणा आवेदक के दो प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित की जाए।

हम इसके द्वारा रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करते हैं। हम वारंटी देते हैं कि हमने उपर के प्रश्नों की सच्चाई से और पूर्ण रूप से उत्तर दिए हैं और सभी जानकारी दी है, जो हमारे रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजनों के लिए युक्तियुक्त रूप से सुसंगत समझी जा सकती है।

हम इसके द्वारा घोषित करते हैं कि दी गयी जानकारी सत्य और सही है और पिछले तीन वर्ष के दौरान न तो आवेदक और न ही उसके निदेशकों या मुख्य प्राध कार्मिक में से कोई किसी आर्थिक अपराध में अतग्रस्त था या आर्थिक अपराध का दोषी था अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1994 और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के उपबंधों के अतिक्रमण का दोषी पाया गया है।

.....के लिए और उसकी ओर से
(आवेदक का नाम)

निदेशक/अधिकारी

निदेशक/अधिकारी

.....
स्पष्ट अक्षरों में नाम	स्पष्ट अक्षरों में नाम
.....
स्थान	स्थान
तारीख	तारीख

प्ररूप ख

(विनियम 7)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निर्गमन बैककार) विनियम, 1994

रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र

- (1) बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के धारा 12 के उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए.....को इसके द्वारा निर्गमन बैककार के रूप में रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र नियमों में शर्तों के अधीन रहते हुए विनियमों के अनुसार प्रदान करता है।
- (2) निर्गमन बैककार के लिए रजिस्ट्रीकरण कोड नि. बैक है
- (3) जब तक नवीकृत न किया जाए, रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण पत्र.....से.....तक विधिमान्य है।

स्थान :

प्रादेश से

तारीख :

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
के लिए और उसकी ओर से
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

अनुसूची II

(विनियम 11)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निर्गमन बैककार) विनियम, 1994

फीस

- (1) प्रत्येक निर्गमन बैककार इस अनुसूची के पैरा 3 और 4 के अधीन नीचे निर्धारित अनुसार रजिस्ट्रीकरण फीस का संदाय करेगा। प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से प्रारंभ होने वाले पहले 2 वर्ष के लिए प्रति वर्ष 2.50 लाख रु. की राशि का प्रति वर्ष संदाय और तत्पश्चात् अपना रजिस्ट्रीकरण प्रवृत्त रखने हेतु तीसरे वर्ष के लिए 1 लाख रुपये की राशि का संदाय करना होगा।
- (2) निर्गमन बैककार द्वारा संदाय की जाने वाली नवीकरण फीस—जैसे नवीकरण की तारीख से प्रारंभ होने वाले पहले 2 वर्षों के लिए 1 लाख रुपये का प्रतिवर्ष संदाय और तत्पश्चात् अपना रजिस्ट्रीकरण प्रवृत्त रखने हेतु तीसरे वर्ष के लिए 20,000/- रुपये प्रतिवर्ष का संदाय करना होगा।
- (3) उपर्युक्त खण्ड (1) में विनिर्दिष्ट फीस का संदाय निम्नलिखित रीति में किया जायेगा।
 - (क) पहली किस्त का संदाय विनियम 7 के अधीन बोर्ड से सूचना मिलने की तारीख से 15 दिनों के भीतर किया जाना है।
 - (ख) पश्चात्तवर्ती किस्तों का संदाय जिनके अंतर्गत नवीकरण फीस है प्रत्येक वर्ष के 12 मास की समाप्ति पर या उसके पूर्व किया जायेगा।
- (4) ऊपर विनिर्दिष्ट फीस मुंबई में "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट या अन्य लिखित द्वारा संदेय होगी।

अनुसूची III

(विनियम 16)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निर्गमन बैंककार) विनियम 1994

आचार संहिता

- (1) निर्गमन बैंककार अपने कारखाने के संवाजन में अपने ग्राहकों, निवेशकों और/या अपने वृत्ति के अन्य सदस्यों के साथ अपने सभी व्यवहारों में ईमानदारी और औचित्य के उच्च मानकों का पालन करेगा।
- (2) निर्गमन बैंककार सम्यक तत्परता बरनेगा और उपर्युक्त सावधानी सुनिश्चित करेगा।
निर्गमन बैंककार किसी कार्य के लिए स्वर्धा या उसे निष्पादित करने हुए कोई ऐसा कथन नहीं करेगा या किसी कार्य, आचरण या अनुचित स्वर्धा का संगर्गी नहीं होगा जो अन्य निर्गमन बैंककार के हितों के लिए अपहानिकर होनी संभाव्य है या जिससे ऐसे अन्य निर्गमन बैंककारों को स्वयं निर्गमन बैंककारों के संबंध में अहितकर स्थिति में डालना संभाव्य है।
- (3) निर्गमन बैंककार ग्राहक से अर्हता या कुछ सेवाएं देने की क्षमता या अन्य ग्राहकों को दी गयी सेवाओं की बाबत, अपनी उपलब्धियों के संबंध में बड़ा चढाकर कोई कथन, चाहे मौखिक या लिखित, नहीं करेगा।
- (4) निर्गमन बैंककार
 - (क) ग्राहक की आवश्यकताओं और पर्यावरण तथा स्वयं अपने वृत्तिक कौशल को ध्यान में रखते हुए ग्राहक को सर्वोत्तम संभव सलाह देने का प्रयास करेगा।
 - (ख) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी वृत्तिक संव्यवहार तत्पर, दक्ष और कीमत प्रभावी रीति से किए जाते हैं।
- (5) निर्गमन बैंककार अपने ग्राहक के बारे में कोई गोपनीय जानकारी जिसका उसे ज्ञान हो, अन्य ग्राहकों, प्रेस या अन्य किसी पक्षकार को प्रकट नहीं करेगा।
- (6) निर्गमन बैंककार
 - (क) दफ्तारों के स्टाम्प वाले लेखों बिना भरे हुए आवेदनों को बैंक परिसर में रखने या परिसर के प्रवेश मार्ग के आसपास कड़ी भी पड़े रहने की अनुज्ञा नहीं देगा।
 - (ख) कार्यालय समय या निर्गम के बंद होने की तारीख के बाद या बैंक अवकाश के दिन आवेदन स्वीकार नहीं करेगा।
- (7) निर्गमन बैंककार कभी भी अभिकर्ता के सहयोग से ऐसा कार्य नहीं करेगा जो लघु विनिधानकर्ताओं के लिए हानिकारक हो।
(निर्गमन बैंककार, केन्द्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय बैंक, संघ या बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी और निर्गमन बैंककार के क्रियाकलापों पर लागू और उससे संबद्ध ऐम अधिनियम और नियमों, विनियमों, मार्गदर्शक सिद्धांतों, संकल्पों, अधिसूचनाओं, निर्देशों, परिपत्रों और अनुदेशक का पालन करेगा)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD
OF INDIA

NOTIFICATION

Bombay, the 14th July, 1994

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD
OF INDIA (BANKERS TO AN ISSUE) REGU-
LATIONS, 1994.

No. LE/7/94.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I
PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) Regulations, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :

(a) “enquiry officer” means any officer of the Board, or any other person, having experience in dealing with the problems relating to securities market, who is authorised by the Board under Chapter V;

- (b) "form" means a form specified in Schedule I;
- (c) "inspecting authority" means one or more persons appointed by the Reserve Bank of India to exercise powers conferred under Chapter IV;
- (d) "Reserve Bank" means the Reserve Bank of India established under Section 3 of the Reserve Bank of India Act, 1934;
- (e) "rules" means Securities and Exchange Board of India (Bankers to an Issue) Rules, 1994;
- (f) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act and the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the rules as the case may be.

CHAPTER II

REGISTRATION OF BANKERS TO AN ISSUE

3. Application for grant of certificate.—(1) An application by scheduled Bank for grant of a certificate as banker to an issue shall be made to the Board in Form A.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), any application made prior to coming into force of these regulations containing such particulars or as near thereto as mentioned in Form A shall be treated as an application made in pursuance of sub-regulation (1) and dealt with accordingly.

4. Application to conform to the requirements.—Subject to the provisions of sub-regulation (2) of regulation 3, any application, which is not complete in all respects and does not conform to the instructions specified in the form, shall be rejected :

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given an opportunity to remove within the time specified such objections as may be indicated by the Board.

5. Furnishing of information, clarification and personal representation.—(1) The Board may require the applicant to furnish further information or clarification regarding matters relevant to the activity of a banker to an issue for the purposes of disposal of the application.

(2) The applicant officer shall, if so required appear before the Board for personal representation through an officer duly authorised in this regard by the applicant.

6. Consideration of application.—The Board shall take into account for considering the grant of a certificate, all matters which are relevant to the activities relating to banker to an issue and in particular whether the applicant fulfils the following requirements, namely :—

- (a) the applicant has the necessary infrastructure, communication and data processing facilities and manpower to effectively discharge its activities;
- (b) the applicant or any of its director is not involved in any litigation connected with the securities market and which has an adverse bearing on the business of the applicant or has not been convicted of any economic offence;
- (c) the applicant is a scheduled bank;
- (d) grant of certificate to the applicant is in the interest of investors.

7. Procedure for registration.—(1) The Board on being satisfied that the applicant is eligible shall grant a certificate in Form B and send an intimation to the applicant.

(2) On the grant of a certificate, the applicant shall be liable to pay the fees in accordance with Schedule II.

8. Renewal of Certificate.—(1) Three months before the expiry of the period of certificate, the banker to an issue, may if he so desires, make an application for renewal in form A.

(2) The application for renewal, under sub-regulations (1) shall be dealt with in the same manner as if it were an application made under sub-regulation (1) of regulation 3 for grant of a certificate.

(3) The Board on being satisfied that the applicant fulfils the requirements specified in regulation 6 for renewal of certificate shall grant a certificate in Form B and send an intimation to the applicant.

(4) On the grant of a certificate, the applicant shall be liable to pay the fees in accordance with Schedule II.

9. Procedure where registration is not granted.—(1) Where an application for grant of a certificate under regulation 3 or of renewal under regulation 8, does not satisfy the requirements set out in regulation 6, the Board may reject the application after giving an opportunity of being heard.

(2) The refusal to grant or renew registration shall be communicated by the Board within thirty days of such refusal to the applicant stating therein the grounds on which the application has been rejected.

(3) Any applicant may, being aggrieved by the decision of the Board, under sub-regulation (1), apply within a period of thirty days from the date of receipt of such intimation to the Board for reconsideration of its decision.

(4) The Board shall reconsider an application made under sub-regulation (3) and communicate its decision as soon as possible in writing to the applicant.

10. Effect of refusal to grant certificate.—Any scheduled bank whose application for a certificate has been refused by the Board shall on and from the date of the receipt of the communication under sub-regulation (2) of regulation 9 cease to carry on any activity as banker to an issue.

11. Payment of fees and the consequences of failure to pay fees.—(1) every applicant eligible for grant of a certificate shall pay such fees in such a manner and within the period specified in Schedule II.

(2) Where the applicant fails to pay the fees as provided in sub-regulation (1) read with Schedule II, the Board may suspend the registration certificate, whereupon the applicant shall cease to carry on any activity as a banker to an issue for the period during which the suspension subsists.

CHAPTER III

GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES

12. Maintenance of books of accounts, records and the documents.—(1) Every banker to an issue shall maintain the following records with respect to :—

- (a) the number of applications received, the names of the investors, the dates on which the applications were received and the amount so received from the investors ;
- (b) the time within which the applications received from the investors were forwarded to the body corporate or registrar to an issue as the case may be ;
- (c) dates and amount of refund monies paid to the investors ;
- (d) dates, names and amount of dividend/interest warrant paid to the investors.

(2) Every banker to an issue shall intimate to the Board the place where the records and documents mentioned in sub-regulation (1) are kept.

(3) The banker to an issue shall preserve the records and documents specified in sub-regulation 1 for a minimum period of three years.

13. Furnishing of information to the Board.—Every banker to an issue shall furnish to the Board when required the following information, namely :—

- (a) the number of issues for which he was engaged as a banker to an issue ;
- (b) the number of applications and details of the application monies received by the banker to an issue ;
- (c) the dates on which the applications received from the investors were forwarded to the body corporate or registrar to an issue ;
- (d) the dates on which and the amount refunded to the investors ;
- (e) the payment of dividend/interest warrants to the investors.

14. Agreement with bodies corporate.—(1) Every banker to an issue shall enter into an agreement with the body corporate for whom it is acting as banker to an issue.

(2) The agreement referred to in sub-regulation (1) shall contain the following clauses namely :—

- (a) the number of centres at which the application and application monies of an issue of a body corporate will be collected from the investors ;
- (b) the time within which the statement regarding the applications and application monies received from the investors investing in an issue of a body corporate will be forwarded to the registrar to an issue or the body corporate, as the case may be ;
- (c) that a daily statement will be sent by the designated controlling branch of the bankers to the issue to the registrar to an issue indicating the number of applications received on that date from the investors investing in the issue of a body corporate and the amount of application money received.

15. Board to be informed of any disciplinary action taken by the Reserve Bank.—Every banker to an issue shall inform the Board forthwith if any disciplinary action is taken by the Reserve Bank against the banker to an issue only in relation to issue payment work :

Provided that if as a result of any such action, the banker to an issue is prohibited from carrying on the activities, the certificate shall be deemed to have been suspended or cancelled as the case may be.

16. Code of Conduct.—Every banker to an issue shall abide by the code of conduct as specified in Schedule III.

CHAPTER IV

PROCEDURE FOR INSPECTION

17. Inspection of Banker to an Issue.—The Board may request the Reserve Bank of India to undertake inspection of the books of accounts, records and documents of the banker to an issue for any of the purposes specified in regulation 18.

18. Purpose of inspection.—The purposes referred to in regulation 17 may be as follows namely:—

- (a) to ensure that the books of account are being maintained in the manner required;
- (b) that the provisions of the Act, rules, regulations are being complied with ;
- (c) to investigate into the complaints received from investors, body corporate or any other person on any matter having a bearing on the activities of the banker to an issue; and
- (d) to investigate into such matters as may be required by the Board.

19. Procedure for inspection.—The Reserve Bank shall on a receipt of a request from the Board as soon as possible take steps to undertake inspection of the banker to an issue for such purposes as may be required by the Board in such manner as it may deem fit.

20. Obligations of banker to an issue on inspection.—(1) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the banker to an issue, who is being inspected, to produce to the inspecting authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish him with the statements and information relating to his activities as a banker to an issue within such time as the Reserve Bank may require.

(2) The banker to an issue shall allow the inspecting authority to have reasonable access to the premises occupied by such banker to an issue or by any other person on his behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the banker to an issue or any such other person and also provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the Reserve Bank of India are relevant for the purposes of the inspection.

(3) The inspecting authority, in the course of inspection, shall be entitled to examine or record statements of any principal officer, member, director,, partner, proprietor and employee of the banker to an issue.

(4) it shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer or employee of the banker to an issue to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection which the banker to an issue may reasonably be expected to give.

21. Submission of Report to the Board.—The Reserve Bank of India shall, as soon as may be possible furnish to the Board a copy of the inspection report together with the copies of relevant documents in support of the observations made by the inspecting authority.

22. Communication of findings etc. to the banker to an issue:—(1) The Board shall after consideration of the inspection report communicate the findings to the Banker to an issue to give him an opportunity of being heard before any action is taken by the Board on the findings of the inspecting authority.

(2) On receipt of the explanation if any, from the banker to an issue, the Board may call upon the banker to an issue to take such measures as the Board may deem fit in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules and regulations.

CHAPTER V

PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

23. Liability for action in case of default:—(1) A banker to an issue who :—

- (a) fails to comply with any conditions subject to which certificate has been granted ;
- (b) contravenes any of the provisions of the Act, rules or regulations ;

shall be liable to any of the penalties specified in sub regulation (2).

(2) The penalties referred to in sub-regulation (1) may be either :—

- (a) suspension of registration; or
- (b) cancellation of registration ;

24. Suspension of registration.—(1) A penalty of suspension of registration of a banker to an issue may be imposed where :—

- (i) the banker to an issue violates the provisions of the Act, rules and regulations ;

(ii) the banker to an issue :—

(a) fails to furnish any information relating to his activity as banker to an issue as required by the Board;

(b) furnishes wrong or false information;

(c) does not furnish information as required by the Board under regulation 13.

(iii) the banker to an issue fails to resolve the complaints of the investors or fails to give a satisfactory reply to the Board in this behalf ;

(iv) The banker to an issue is guilty of misconduct or improper or unbusinesslike or unprofessional conduct which is not in accordance with the code of conduct specified in Schedule III.

(v) the banker to an issue fails to pay the fees;

(vi) the banker to an issue does not carry out his obligations as specified in the regulations.

25. Cancellation of registration.—A penalty of cancellation of registration of a banker to an issue may be imposed where :—

(i) the financial position of the banker to an issue deteriorates to such an extent that the Board is of the opinion that his continuance as banker to an issue is not in the interest of investors;

(ii) the banker to an issue is guilty of fraud, or is convicted of a criminal offence ; and

(iii) in case of repeated defaults of the nature mentioned in regulation 24 provided that the Board furnishes the reasons for cancellation in writing.

26. Manner of making order of suspension and cancellation.—No order of penalty of suspension or cancellation, as the case may be, shall be imposed except after holding an enquiry in accordance with the procedure specified in regulation 27.

27. Manner of holding enquiry before suspension or cancellation.—(1) For the purpose of holding an enquiry under regulation 26 the Board may appoint an enquiry officer.

(2) The enquiry officer shall issue to the banker to an issue a notice at the registered office or the principal place of business of the banker to an issue.

(3) the banker to an issue may, within thirty days from the date of receipt of such notice, furnish to the enquiry officer a reply together with copies of documentary or other evidence relied on by it.

(4) the enquiry officer shall give a reasonable opportunity of hearing to the Banker to an issue to enable it to make submissions in support of reply made under sub-regulation (3).

(5) Before the enquiry officer, the banker to an issue may appear through any person duly authorised by the banker to an issue :

Provided that no lawyer or advocates shall be permitted to represent the banker to an issue of the enquiry;

Provided further that where a lawyer or an advocate has been appointed by the Board as a presenting officer under sub-regulation (6) it shall be lawful for the banker to an issue to present its case through a lawyer or advocate.

(6) If it is considered necessary, the enquiry officer may ask the Board to appoint a presenting officer to present its case.

(7) The enquiry officer shall, after taking into account all relevant facts and submissions made by the banker to an issue, submit a report to the Board and recommend the penalty to be imposed as also the grounds on the basis of which the proposed penalty is justified.

28. Show-cause notice and order.—(1) On receipt of the report from the enquiry officer, the Board shall consider the same and issue a show-cause notice as to why the penalty as proposed by the enquiry officer should not be imposed.

(2) The banker to an issue shall within twenty one days of the date of the receipt of the show cause notice send a reply to the Board.

(3) The Board after considering the reply to the show cause notice, if received, shall as soon as possible but not later than thirty days from the receipt of the reply, if any, pass such order as it deems fit.

(4) Every order passed under sub-regulation (3) shall be self-contained and give reasons for the conclusions stated therein including justification of the penalty imposed by that order.

(5) The Board shall send a copy of the order under sub-regulation (3) to the banker to an issue ;

29. Effect of suspension and cancellation of registration of banker to an issue.—(1) On and from the date of the suspension, the banker to an issue shall cease to carry on any activity as a banker to an issue during the period of suspension.

(2) On and from the date of cancellation the banker to an issue shall with immediate effect cease to carry on any activity as a banker to an issue.

30. Publication of order of suspension.—The order of suspension or cancellation of certificate passed under sub-regulation (3) of regulation 28,

shall be published in atleast two daily newspapers by the Board.

31. Appeal to the Central Government.—Any person aggrieved by an order of the Board may prefer an appeal to the Central Government

S. S. NADKARNI, Chairman

SCHEDULE I—FORMS

FORM A

(Regulation 3)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (Bankers to An Issue) Regulations, 1994

Application for Grant/Renewal of Certificate of Registration as Bankers to the Issue.

Name : _____

Name of Person to Contact : _____

Designation : _____

Telephone No. _____

1. Applicants must submit a completed Application form together with appropriate supporting documents to the Securities and Exchange Board of India.

2. It is important that this application form should be read in conjunction with rules and regulations and the code of conduct for the banker to an issue.

3. Applications for Registration will only be considered provided all questions are answered.

4. Answer must be typed/Printed.

5. Information which needs to be supplied in more details may be written on separate sheets which should be attached to the Application Form.

6. All Signatures must be original

PART : I GENERAL INFORMATION

1. Applicants Details

1.1 Name

1.2 Address of registered office of the Bank :

Pin Code : _____

Telephone No. _____

Telex No. _____

Fax No. _____

Address for correspondence :

Pin Code _____

Telephone No. _____

Telex No. _____

Fax No. _____

1.3

Application to Securities and Exchange Board of India for other intermediary activity: _____

2. Organisation Structure :**2.1 Date and Place of Incorporation**

Day	Month	Year	Place
-----	-------	------	-------

2.2 Organisation Chart : General Organisation & Specific Activity. (i.e. Applied for registration) Also state the functional responsibility.

2.3 Particulars of all Directors and key management personnel :—[for other than public sector banks only Name; Qualification; Experience

Ownership details; (date of appointment) other directorship; (Name & Date of Appointment); Previous positions held.]

2.4 Number of employees.

2.5 List of major shareholders (holding 5% or more voting shares) Name, Share holding pattern i.e. no. of shares and its % to total capital).

3.0 Details of infrastructural facilities (To be used for specific activity)

3.1 Data Processing Capacity

(a) Inhouse :

(b) Others :

3.2 Computer Facility :

(a) Hardware configuration

(b) Software Used.

3.3 Communication and Man-power Facilities available at controlling Branch/Head Office and at various Branches.

4.0 Financial Information

4.1 Capital Structure

(Rs. in lakhs)

	Year prior to the year of current year	Preceding year	Current year
(a) Paid-up Capital			
(b) Free reserves (excluding revaluation reserves)			
(c) Total (a)+(b)			
(d) Deposits			
(e) Working Funds			
4.2 Net Profit	first year	second year	third year
4.3 Income (From specific activity of Banker to an issue)			
5.0 Other Information—(For specific activity of Banker to an issue)			
5.1 Details of all settled and pending disputes :			
Nature of dispute	Name of the party	Pending/Settled.	

5.2 Indicate of involvement in any economic and criminal offences in the last three years (For directors).

5.3 Any other information considered relevant to the nature of services rendered by the company.

5.4 Name and Address of the Auditors

Part II—Specific Information as to Banker to an Issue

6.0 Business Information

6.1 Indicate type of Activities carried on/proposed to be carried on. (Collection Bankers for : Application Money and/or Allotment Money, Refund Bankers, Paying Bankers for payment of dividend/interest warrant).

6.2 Describe modus operandi for handling applications, processing them and for co-ordination between branches, remittance of money, collection & accounting for funds, function of refund bankers.

6.3 Enclose a copy of typical contract entered with the client for the Services rendered.

6.4 Enclose list of centres at which the bank has branches out of centres notified by the Ministry of Finance.

7.0 Experience.

7.1 Experience as bankers to the issue (period to be indicated) (Services provided during last year)

7.2 List of clients. (Corporate clients only)

(For specific activity)

Name Services Rendered.

DECLARATION

THIS DECLARATION MUST BE SIGNED BY TWO AUTHORISED OFFICIALS OF THE APPLICANT

We hereby apply for Registration. We warrant that we have truthfully and fully answered the questions above and provided all the information which might reasonably be considered relevant for the purposes of our registration.

We hereby declare that the information furnished is true and correct and neither the applicant nor any of its Directors and Key executive personal have been involved in or convicted of economic offences during the last three years or by the Reserve Bank for violation of the provisions of the Reserve Bank of India Act, 1934 and Banking Regulation Act, 1949.

For and on behalf of _____

(Name of Applicant)

Director/Officer

Director/Officer

Name in Block Letters

Name in Block Letters

Place

Place

Date

Date

FORM B

(Regulation 7)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(Bankers to an Issue) Regulations, 1994

CERTIFICATE OF REGISTRATION

I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, read with the rules and regulations made thereunder the Board hereby grants a certificate of registra-

tion to _____ as a banker to an issue subject to the conditions in the rules and in accordance with the regulations.

II. Registration Code for the Banker to an issue is BI/

III. Unless renewed, the certificate of registration is valid from _____ to _____.

Date :

Place :

BY ORDER

For and on behalf of Securities and Exchange Board of India.

Authorised Signatory

SCHEDULE II

(Regulation 11)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (BANKERS TO AN ISSUE) REGULATIONS, 1994

Fees

(1) Every banker to an issue shall [subject to clauses 3 and 4 of this Schedule] pay registration fees as set out below :

A sum of Rs. 2.5 lakhs to be paid annually for the first two years commencing from the date of initial registration and there after for the third year a sum of Rs. 1 lakh to keep his registration in force.

(2) Renewal fees to be paid by the Banker to an issue.

A sum of Rs. 1 lakh to be paid annually for the first two years from the date of such renewal and thereafter a sum of Rs. 20,000 per annum for the third year to keep his registration in force;

(3) Fees referred to in clause (1) above shall be paid in the following manner—

(a) First instalment to be paid within 15 days from the date of intimation from the Board under regulation 7.

(b) Subsequent instalments including the renewal fee to be paid on or before expiry of 12 months of each year.

(4) the fees indicated above shall be payable by a cheque, draft or other instrument in favour of "The Securities and Exchange Board of India" at Bombay.

SCHEDULE III

(regulation 16)

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (BANKERS TO AN ISSUE) REGULATIONS, 1994

CODE OF CONDUCT

1. A banker to an issue shall in the conduct of his business, observe high standards of integrity and fairness in all his dealing with his clients, the investors and/or other members of his profession.

2. A banker to an issue shall exercise due diligence, ensure proper care.

A banker to an issue shall not make any statement or become privy to any act, practice or unfair competition, which is likely to be harmful to the interests of other bankers to an issue or is likely to place such other bankers to an issue in a disadvantageous position in relation to the banker to the issue, while competing for or executing any assignment.

3. A banker to an issue shall not make any exaggerated statement, whether oral or written to the client, either about the qualification or the capability to render certain services or his achievements in regard to services rendered to other clients.

4. A banker to an issue shall always endeavour to—

(a) render the best possible advice to the clients having regard to the clients' needs and the environments and his own professional skill and

(b) ensure that all professional dealings are effected in a prompt, efficient and cost effective manner,

5. A banker to an issue shall not divulge to other clients, the press or any other party any confidential information about his client, which has come to his knowledge.

6. A banker to an issue shall not—

(a) allow blank application forms bearing brokers stamp to be kept at the bank premises or peddled anywhere near the entrance of the premises.

(b) accept applications after office hours or after the date of closure of the issue or on bank holidays.

7. A banker to an issue shall not at any time act in collusion with other agents in a manner that is detrimental to the small investor.

[A banker to an issue shall abide by the provisions of such Acts and rules, regulations, guidelines, resolutions, notifications, directions, circulars and instructions as may be issued from time to time by the Central Government, Reserve Bank of India, the Indian Banks Association or the Board and as may be applicable and relevant to the activities carried on by the banker to the issue.]